अभ्यास- बहुविकल्पीय 50 प्रश्न (SET –B)

पाठ्यक्रम- अपठित गद्यांश एवं काव्यांश

क्षितिज-गद्य - नेताजी का चश्मा

क्षितिज-काव्य- राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद 4

व्याकरण- वाच्य,पद-परिचय

सामान्य निर्देश –

- इस प्रश्न-बैंक में तीन खंड हैं- – खंड– क, खंड– ख और खंड – ग |
- इस प्रश्नपत्र में कुल 54 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं | सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

1 .नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं| गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक बनाने का प्रयत्न किया। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए। गांधी जी ने ऐसा क्यों किया ? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना पर्याप्त नहीं समझते थे, वरन उनके बीच एक मानवीय स्वभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का संबंध भी स्थापित करना चाहते थे।

इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रूप दिया | विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती। पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो। ऐसा गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सद्भावना, स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता रूप टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते हैं।

1. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने का क्या कारण था?

क) निर्धनता धनिकता पर आधारित भेदभाव

ख) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव

ग) धार्मिक भिन्नता पर आश्रित भेदभाव
घ) विदेशी होने से उत्पन्न मन-मुटाव

2. गांधी जी अफ्रीकावासियों और भारतीय प्रवासियों के मध्य क्या स्थापित करना चाहते थे?

क) सहज प्रेम एवं सहयोग की भावना
ख) पारिवारिक अपनत्व की भावना
ग) अहिंसा एवं सत्य के प्रति लगाव
घ) विश्वबंधुत्व की भावना

3. भारत में गांधीजी का विदेशी शासन का प्रतिरोध किस पर आधारित था?

क) संगठन की भावना पर
ख) नैतिक मान्यताओं पर
ग) राष्ट्रीयता के विचारों पर
घ) शांति की सद्भावना पर

4. बंधुत्व, मैत्री आदि गुणों की पुष्पों के साथ तुलना आधारित है –

क) उनकी सुंदरता पर
ख) उनकी कोमलता पर
ग) उनके अपनत्व पर
घ) उनके कायिक प्रभाव पर

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

क) अफ्रीका में गांधी जी
ख) प्रवासी भारतीय और गांधी जी
ग) गांधी जी की नैतिकता
घ) गांधी जी और विदेशी शासन

अथवा

समाज दहेज की कुप्रथा से पीड़ित है और इससे छुटकारा पाना चाहता है | कानून भी बनते हैं,सामाजिक दबाव भी है,फिर भी यह प्रथा फलती-फूलती जा रही है,समाप्त नहीं हो पा रही है - क्यों ?आखिर क्या उपाय है इस अभिशाप से मुक्त होने का ? कोई इसका उपाय अंतर्जातीय विवाह को बढ़ावा देने को बताता है,तो कोई प्रेम विवाह की चर्चा करता है| और कोई दंडात्मक कठोर कानून बनाने को | ये सभी बातें एक सीमा तक ही ठीक हैं | क्या गारंटी है कि अन्तर्जातीय तथा प्रेम विवाह के लिए तैयार होने वालों के दहेज़ लोभी माँ-बाप उस स्थिति में भी दहेज संबंधी सौदेबाजी नहीं करेंगे ? या फिर समाज भी उन्हें

स्वीकार कर ही लेगा ? कानून उन्हीं का साथ देगा ,न कि धन-बल से कानून की धज्जियाँ उड़ाने में समर्थ लोगों का ? हमारे विचार में पुरानी पीढ़ी के दकियानूसी लोग किसी भी बात से डरने या पसीजने वाले नहीं और फिर ऐसे विवाह के लिए सामाजिक वातावरण भी सुलभ-संभव नहीं | ऐसी स्थिति में मात्र एक उपाय ही इस सर्वभक्षी दहेज़ की कुप्रथा के विरुद्ध कारगर हो सकता है , और वह है युवकों का विद्रोह | युवक-युवतियां दोनों ऐसे परिवारों में विवाह करने से स्पष्ट और आंतरिक दृढ़ता से इंकार कर दें,जहाँ किसी भी रूप में दहेज़ दिया-लिया जाता हो |युवतियों से भी बढ़कर देश के जागरूक नवयुवकों पर अधिक दायित्व जाता है| जिस दिन युवक अपने माता-पिता से स्पष्ट कह देंगे कि वह दहेज लेकर कतई विवाह नहीं करेंगे , उसी दिन से समस्त दहेजलोभियों की अक्ल ठिकाने लग जायेगी और फिर इस कुप्रथा का अंत हो जाएगा |

6 .उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक हो सकता है-

क.युवकों का विद्रोह

ख.दहेज़ प्रथा-एक अभिशाप

ग.प्रेम विवाह

घ.दहेज़ प्रथा के लिए कानून की आवश्यकता

7 .अनेक उपाय किये जाने पर भी दहेज़ की कुप्रथा फल-फूल रही है ,क्योंकि -

क. प्रभावी कानून की कमी है

ख. समाज में प्रेम विवाह कम होते हैं

ग. अंतर्जातीय विवाह अधिक हो रहे हैं

घ लोगों का दृष्टिकोण नहीं बदल रहा है

8 .अत्यंत कठोर कानून भी दहेज़ प्रथा को समाप्त करने की गारंटी नहीं है ,क्योंकि -

क. कठोर कानून भी लोगों में भय व्याप्त नहीं करता है

ख. कठोर कानून प्रभावी नहीं होते

ग. अंतर्जातीय विवाह अधिक हो रहे हैं

घ. लोगों का दृष्टिकोण नहीं बदल रहा है

9 . दहेज़ के सर्वभक्षी हो जाने का क्या कारण है ?

क.पाश्चात्य संस्कृति

ख.यश-लिप्सा

ग.लोभी मानसिकता

घ.आधुनिक विचारधारा

10.दहेजप्रथा के अंत का सर्वप्रभावी उपाय है -

क. अंतर्जातीय विवाह को प्रोत्साहित करना

ख. युवाओं द्वारा दहेज़ के खिलाफ़ विद्रोह करना

ग. युवाओं द्वारा इसे सीमित रूप में स्वीकार करना

घ. युवाओं द्वारा कभी भी विवाह न करना

प्रश्न 2 नीचे दो अपठित पद्यांश दिए गए हैं| किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो |
उसको क्या जो दंतहीन, विषहीन, विनीत सरल हो ||
तीन दिवस तक पंथ माँगते रघुपति सिन्धु किनारे |
बैठे पढ़ते रहे छंद अनुनय के प्यारे-प्यारे ||
उत्तर में जब एक नाद भी उठा नहीं सागर से |
उठी अधीर धधक पौरुष की आग राम के शर से ||
सिन्धु देह धर 'त्राहि-त्राहि' करता आ गिरा शरण में |
चरण पूज दासता ग्रहण की , बंधा मूढ़ बंधन में ||
सच पूछो ,तो शर में ही बसती है दीप्ति विनय की |
संधि वचन संपूज्य उसी का जिसमें शक्ति विजय की ||

11 .'क्षमा शोभती उस भुजंग को,जिसके पास गरल हो'-पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

(क) दुर्बल व्यक्ति का जीवन बेकार है
(ख) विषैले सर्प किसी को क्षमा नहीं करते
(ग) क्षमा करने की बात उसी व्यक्ति को शोभा देती है, जिसके पास बल हो
(घ) दुर्बल व्यक्ति किसी को क्षमा करने योग्य नहीं होता

12.'पौरुष की आग राम के शर से'-पंक्ति में निहित अलंकार का नाम चुनिए -

(क)रूपक (ख) अनुप्रास
(ग) श्लेष (घ) उपमा

13.जब राम की प्रार्थना का समुद्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा तो राम ने क्या किया ?

(क) राम को बहुत क्रोध आ गया
(ख) राम ने धनुष संभाल लिया
(ग) राम ने सागर को सुखाने का निश्चय कर लिया
(घ) राम ने सागर को सबक सिखाने के लिए अपने तरकश से एक अग्नि बाण निकल लिया |

14.'संधि वचन संपूज्य उसी का ,जिसमें शक्ति विजय की'- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए|

(क) दुर्बल व्यक्ति कोई काम नहीं कर सकता
(ख)दुर्बल व्यक्ति की बात कोई नहीं मानता
(ग) दुर्बल व्यक्ति का सभी उपहास करते हैं
(घ)दुर्बल व्यक्ति से संधि-प्रस्ताव का कोई औचित्य नहीं है |

15. अनुपयुक्त पर्यायवाची शब्द छाँटिए-

(क)भुजंग (ख)नाग
(ग)विषधर (घ)अज

लोहे के पेड़ हरे होंगे ,तू गान प्रेम का गाता चल
नम होगी यह मिट्टी ज़रूर,आँसू के कण बरसाता चल

सिसकियों और चीत्कारों से,जितना भी हो आकाश भरा,
कंकालों का हो ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा |
आशा के स्वर का भार,पवन को लेकिन,लेना ही होगा ,
जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा |
रंगों के सातों घट उंड़ेल ,अंधियाली रंग जाएगी,
उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल |
आदर्शों से आदर्श भिड़े ,प्रजा प्रज्ञा पर टूट रही,
प्रतिमा प्रतिमा से लड़ती है , धरती की किस्मत फूट रही |
आवर्तों का है विषम जाल,निरुपाय बुद्धि चकराती है,
विज्ञान-यान पर चढ़ी हुई सभ्यता डूबने जाती है |
जब-जब मस्तिष्क जयी होता,संसार ज्ञान से चलता है,
शीतलता की है राह हृदय ,तू यह संवाद सुनाता चल |

16. लोहे के पेड़ किसके प्रतीक हैं ?

(क)नकली पेड़ (ख)मशीनें

(ग)मशीनी संस्कृति (घ)विज्ञान

17 .'नम होगी यह मिट्टी ज़रूर' कहकर कवि किस ओर संकेत कर रहा है ?

(क) प्रेम के बल पर शुष्क हृदयों में भाव भरे जा सकते हैं

(ख) वर्षा न होने के कारण सूखी मिट्टी वर्षा आने पर नम जरूर हो जाएगी

(ग) सूखी आँखे फिर आँसूओं से नम हो जाएँगी

(घ) इतने आँसू बहाओ कि मिट्टी गीली हो जाए |

18 .दुख और निराशा के वातावरण में मनुष्य का क्या कर्तव्य होना चाहिए ?

(क) सपने देखे और साकार करे (ख) आशा का संचार करे

(ग)मिट्टी को नम करे (घ)विज्ञान यान पर सवार

19 . प्रेम की भावना से इस भौतिक-बौद्धिक संसार पर विजय पाई जा सकती है - यह भाव किस पंक्ति से व्यंजित हो रहा है ?

(क)जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा

(ख)आशा के स्वर का भार,पवन को लेकिन,लेना ही होगा

(ग)जब-जब मस्तिष्क जयी होता , संसार ज्ञान से चलता है

(घ)शीतलता की है राह हृदय ,तू यह संवाद सुनाता चल |

20 .'विज्ञान-यान' में कौन-सा अलंकार है ?

(क)अनुप्रास अलंकार (ख)उपमा अलंकार

(ग)रूपक अलंकार (घ)अन्योक्ति अलंकार

खंड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3 निर्देशानुसार किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

21 . मुंशी प्रेमचंद ने गोदान की रचना की। रेखांकित पद का परिचय है-

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

22 . रेखा नित्य दौड़ने जाती है ।

क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

ग) अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

23. बागो में फूल खिलते हैं।

क) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

घ) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

24 . राधिका ने आपको बुलाया है।

क) प्रथम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

25 . रिया पटना जा रही है।

क) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक

घ) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

प्रश्न 4 निर्देशानुसार किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

26 . राखी से मैं कल यहीं मिला था।

क) क्रिया, अकर्मक, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग एकवचन, कर्तृवाच्य

ख) क्रिया, सकर्मक, पूर्ण भविष्यत काल, पुल्लिंग एकवचन, कर्मवाच्य

ग) क्रिया, अकर्मक, वर्तमान काल, स्त्रीलिंग एकवचन, कर्म वाच्य

घ) क्रिया, अकर्मक, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, भाववाच्य

27 . राकेश आठवीं कक्षा में पढ़ता है।

क) विशेषण, संख्यावाचक, आवृत्तिसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य

ख) विशेषण, परिमाणवाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेषण

ग) विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य

घ) विशेषण, निश्चयवाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

28 . घोड़ा तेज दौड़ रहा है।

क) अव्यय, कालवाचक क्रियाविशेषण

ख) अव्यय, रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'दौड़ना' क्रिया की विशेषता

ग) अव्यय, स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'दौड़ना' क्रिया की विशेषता

घ) इनमें से कोई नहीं

29 . गरीब मज़दूर बहुत परिश्रम कर रहा है।

क) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य-मजदूर

ख) संज्ञा, संख्यावाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

ग) विशेषण, , जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

घ) इनमें से कोई नहीं

30 . कल मेरे पापा दिल्ली गए।

क) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्मवाच्य

ख) क्रिया, सकर्मक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

ग) क्रिया, अकर्मक, बहुवचन, पुल्लिंग, भविष्यत्काल , कर्तृवाच्य

घ) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 5 - निर्देशानुसार किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

31 . वाच्य के कितने भेद होते हैं ?

क) एक

ख) दो

ग) तीन

घ) चार

32 . जब क्रिया का प्रयोग कर्ता के लिंग, वचन और कारक के अनुसार होता है, तब कौन सा वाच्य होता है?

क) कर्मवाच्य

ख) कर्तृवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) मिश्र वाच्य

33 . 'रोहन ने दिनेश को डंडे से मारा' वाक्य में कौन सा वाच्य होगा ?

क) कर्मवाच्य

ख) भाववाच्य

ग) कर्तृवाच्य

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

34 . जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है वहाँ कौन सा वाक्य होता है?

क) कर्तृवाच्य

ख) कर्मवाच्य

ग) कर्मवाच्य

घ) कर्मवाच्य

35 . 'शिकारी द्वारा शिकार किया जाता है' प्रयोग के आधार पर वाच्य भेद बताइए।

क) कर्तृवाच्य

ख) भाववाच्य

ग) कर्मवाच्य

घ) मिश्र वाक्य

प्रश्न 6 निर्देशानुसार किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

36 . 'चलो अब खाया जाय' वाच्य भेद बताइए।

क)कर्तृवाच्य

ख) भाववाच्य

ग) कर्मवाच्य

घ) कोई नहीं

37 . 'चोट लगने के कारण वह चल नहीं पाया' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए।

क) चोट लगने के कारण उसने चल नहीं पाया

ख) चोट लगने के कारण उससे चला नहीं जा सका

ग) उसे चोट लगी थी इसलिए चल नहीं पाया

घ) चोट लगने की अवस्था में वह चल नहीं पाया

38 . 'मैं दौड़ नहीं सकता' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए|

क) मुझसे दौड़ा नहीं गया

ख) मुझे नहीं दौड़ना चाहिए था

ग) मुझसे दौड़ा नहीं जा सकता

घ) मुझसे दौड़ा गया

39 . 'प्रेमचंद द्वारा गबन लिखा गया' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए ।

क) प्रेमचंद ने गबन लिखा

ख) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखी गई

ग) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखित उपन्यास है

घ) प्रेमचंद से गबन लिखा गया

40 . 'वह नृत्य देख रहा है' प्रयोग के आधार पर वाच्य भेद बताइए |

क) कर्मवाच्य

ख) भाव वाच्य

ग) कर्तृवाच्य

घ) उपर्युक्त सभी

खंड-ग

(पाठ्य-पुस्तक)

प्रश्न 7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए-

पूरी बात तो अब पता नहीं ,लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज़्यादा होने के कारण काफ़ी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बर्बाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया होगा और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर मान लीजिये, मोतीलाल जी को ही यह काम सौंप दिया गया होगा,जो महीने भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे |

41. गद्यांश के आधार पर बताइए कि मूर्ति बनाने का अवसर किसे दिया गया ?

क .स्थानीय कलाकार को

ख .लेखक को

ग .सरकारी कार्यालयों को

घ .इनमें से कोई नहीं

42. स्थानीय कलाकार को मूर्ति बनाने का कार्य क्यों सौंपा गया ?

क .देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी के अभाव में

ख .नगरपालिका बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने के कारण

ग .(1) और (2) दोनों

घ .अच्छी मूर्ति बनाने के लिए

43. मूर्ति बनाने वाले कौन थे ?

क .कस्बे के हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर मोतीलाल जी

ख .स्वयं प्रकाश जी

ग .विदेशों से बुलाये गए एक मूर्तिकार

घ .उपरोक्त में से कोई नहीं

44. मूर्ति बनाने के मार्ग में क्या-क्या परेशानियाँ आई होंगी ?

क .अच्छे मूर्तिकारों का अभाव

ख .उपलब्ध बजट का कम होना

ग .(1) और (2) दोनों

घ .स्थानीय कलाकार का गुणी होना

45.गद्यांश के आधार पर बताइए कि मोतीलाल जी ने मूर्ति बनाने का कार्य कब पूरा करने का विश्वास दिलाया ?

क .महीने भर में

ख .हफ्ते भर में

ग .सप्ताह भर में

घ .इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए -

46 . हालदार साहब ने ड्राइवर से क्या कहा ?

क .आज बहुत काम है

ख .चौराहे पर रुकना नहीं

ग . पान कहीं आगे खा लेंगे

घ .उपरोक्त सभी

47 . कस्बे में घुसने से पहले हालदार साहब को क्या ख्याल आया ?

क .चौराहे पर सुभाष की मूर्ति अवश्य होगी
ख .लेकिन मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं होगा
ग .मास्टर चश्मा बनाना भूल गया और कैप्टन मर गया
घ .उपरोक्त सभी

प्रश्न 9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए -

कौसिक सुनहु मंद येहू बालकु |कुटिलु कालबस निज कुल घालकु ||

भानुबंस राकेस कलंकू | निपट निरंकुसु अबुधु असंकू ||

कालकवलु होइहि छन माहीं | कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं ||

तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा | कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ||

लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा |तुम्हहि अछत को बरनै पारा ||

अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी | बार अनेक भाँति बहु बरनी ||

नहि संतोषु त पुनि कछु कहहु |जनि रिस रोकि दुसह दुःख सहहू ||

बीरब्रती तुम धीर अछोभा | गारी देत न पावहु सोभा ||

सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु ||

बिद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु ||

48. परशुराम ने किसे इंगित करके यह कहा कि यह बालक अपने कुल का घातक बन रहा है ?

क .श्रीराम को देखकर
ख .जनक को देखकर
ग .विश्वामित्र को देखकर
घ .लक्ष्मण को देखकर

49. प्रस्तुत पद्यांश के रचनाकार कौन हैं ?

क .सूरदास
ख . जायसी
ग .तुलसीदास
घ .कबीरदास

50. परशुराम ने विश्वामित्र के समक्ष लक्ष्मण को किसके समान बताया ?
क .चन्द्रमा पर लगे कलंक के समान
ख .तपस्वी योगी के समान
ग .सरोवर के जल के समान
घ .सूर्य के तेज के समान

51. लक्ष्मण के अनुसार शूरवीर अपनी करनी कहाँ दिखाते हैं ?
क .सभा में
ख .समाज में
ग .युद्ध में
घ .ये सभी

52. काव्यांश के अनुसार कायर किसे कहा गया है ?
क .जो शत्रु को युद्ध में उपस्थित पाकर भी अपने प्रताप की व्यर्थ बातें करे
ख . जो अपनी वीरता का बढ़ा-चढ़ा कर वर्णन करे
ग .(i) तथा (ii) दोनों
घ .जो शत्रु से ना डरे

प्रश्न 10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए-

53. परशुराम के लिए लक्ष्मण के शब्द किसके समान थे ?

क.शीतल जल के समान
ख.जले पर नमक के समान
ग.क्रोध रूपी अग्नि में घी के समान
घ.समुद्र में उठती लहरों के समान

54. लक्ष्मण ने परशुराम से ऋण चुकाने के लिए किसे बुलाने कहा था ?

क.अपने गुरु को

ख.राजा दशरथ को

ग.हिसाब-किताब जानने वाले को

घ.विश्वामित्र को

.....X.....